अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : द्वितीय - जैन धर्म प्रवेशिका (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) आठ कर्मों से मुक्त निरंजन निराकार अशरीरी प्रभु है-

(क) अरिहंत देव (ख) सिद्ध देव

(ग) सरागी देव (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(b) गमनागमन के दोषों की शुद्धि की जाती है -

(क) आत्मा शुद्धि सूत्र (ख) कायोत्सर्ग शुद्धि सूत्र

(ग) इर्यापथिक सूत्र (घ) तीर्थंकर स्तुति सूत्र ( )

(c) सुविधि नाथजी का दूसरा नाम है -

(क) पुष्पदंतजी (ख) शांतिनाथजी

(ग) कंथुनाथजी (घ) चन्दाप्रभुजी ( )

(d) अजीव तत्त्व के भेद हैं-

(क) 3 (ख) 4

(ग) 14 (घ) 10 ( )

(e) मोक्ष तत्त्व के भेद हैं-

(क) 04 (ख) 02

(ग) 06 (घ) 12 ( )

(f) भगवान पार्श्वनाथ ने 300 पुरुषों के साथ दीक्षा कब ग्रहण की-

(क) पोष शुक्ला एकादशी (ख) पोष कृष्णा एकादशी

(ग) पोष शुक्ला चतुर्दशी (घ) पोष कृष्णा चतुर्दशी ( )

(g) भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण हुआ था-

(क) श्रावण शुक्ला अष्टमी (ख) श्रावण कृष्णा अष्टमी

(ग) श्रावण शुक्ला चतुर्थी (घ) श्रावण कृष्णा चतुर्थी ( )

(h) महापापी होता है-

(क) आत्मघाती (ख) कृतज्ञ

(ग) साक्षी देने वाला (घ) आग बुझाने वाला ( )

(i) शिक्षा प्राप्ति में बाधक कारण नहीं है-

(क) धन (ख) अभिमान

(ग) प्रमाद (घ) रोग ( )

(j) जिन के उपासक कहलाते हैं-

(क) देव (ख)अरिहंत

(ग) जैन (घ) तीर्थंकर ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) बिना उपयोग बोलना निरपेक्ष दोष होता है। ( )

(b) सामायिक में आहार संज्ञा का सेवन किया जाता है। ( )

(c) दूसरी बार नमोत्थुणं का पाठ बोलने पर 'ठाण संपताणं' के स्थान पर 'ठाणं संपाविउकामाणं' बोलते हैं। ( )

(d) झूंठा कलंक लगाना पैशून्य पाप है। ( )

(e) आकाशास्तिकाय अनन्त प्रदेशी हैं। ( )

(f) 'जरा कर्म देखकर करिए' प्रार्थना के रचयिता श्री जीतमलजी चौपड़ा है। ( )

(g) हिंसा में अधर्म बताने वाला महापापी होता है। ( )

(h) यतना से पापकर्म का बंध नहीं होता है। ( )

(i) अप्रमाद शिक्षा प्राप्ति का बाधक कारण है। ( )

(j) श्रोत्रेन्द्रिय के तीन विषय व 12 विकार होते हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं आसन बार-बार बदलने से लगने वाला सामायिक का दोष हूँ। .....

(b) मेरा दूसरा नाम प्रणिपात सूत्र है। .....

(c) मैं शरीर को स्थिर, वचन को मौन तथा मन को एकाग्र रखकर किया जाता हूँ। .....

(d) मेरे द्वारा सावद्य योगों के त्याग की प्रतिज्ञा ग्रहण की जाती है। .....

(e) मेरे द्वारा जलते हुए नाग-नागिन का उद्धार किया। .....

(f) मैं ओम शांति-शांति..... प्रार्थना का रचयिता हूँ। .....

(g) मैं शिक्षा प्राप्ति का दूसरा बाधक कारण हूँ। .....

(h) मैं सरोवर की पाल तोड़ने वाला महापापी का भेद हूँ। .....

(i) मैं चारित्र को दूषित होने से बचाती हूँ। .....

(j) मैं पच्चीस बोल का तीसरा भेद हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **नवकार मंत्र किस भाषा में है ?**

.....

.....

(b) **आचार्य किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(c) **'तस्स उत्तरी' पाठ का दूसरा नाम क्या है ?**

.....

.....

(d) **'अबहुमान दोष' का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(e) **सामायिक के कोई चार उपकरण लिखिए।**

.....

.....

(f) **'धम्मवर चाउरंत चक्कवट्टीणं' का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(g) **तीन दृष्टियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **पुद्गलास्तिकाय को गुण की अपेक्षा से समझाइए।**

.....

.....

(i) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

बारह घड़ी.....

.....खाने को।

(j) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

विषय कषाय.....

.....शांति कहो।

(k) **भगवान पार्श्वनाथ ने तीर्थंकर गोत्र का उपार्जन कैसे किया ?**

.....

.....

(l) **आठ कर्मों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(m) **कायोत्सर्ग शुद्धि सूत्र लिखिए।**

.....

.....

(n) **महापापी के प्रथम चार भेद लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **सामायिक में लगने वाले मन के कोई छह दोष अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **अरिहंत व सिद्ध में क्या अंतर है ?**

.....

.....

.....

.....

(c) **'इरियावहिया' के पाठ में विराधना कितने प्रकार की है, उनके नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **दीवोत्ताणं सरणगई पइट्ठाणं अप्पडिहयवरनाणं दंसण-धराणं विअट्टछउमाणं,**
जिणाणं जावयाणं तिन्नाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(e) **कुंथुं अरं च मल्लिं, वंदे मुणिसुव्वयं नमिजिणं च।**
वंदामि रिट्ठनेमिं, पासं तह वद्धमाण च।। उपर्युक्त पाठांश का हिन्दी में अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(f) **'करेमि भंते पाठ का क्या प्रयोजन है ?**

.....

.....

.....

.....

(g) **दस भवनपतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **धर्मास्तिकाय को पहचाने जाने वाले द्रव्यादि पाँच बोल समझाकर लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **12 देवलोकों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **पाँच चारित्र के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **मेघमाली ने भगवान पार्श्वनाथ को किस प्रकार कष्ट दिया ?**

.....

.....

.....

.....

(l) **भगवान पार्श्वनाथ ने कब और कैसे केवल ज्ञान प्राप्त किया ?**

.....

.....

.....

.....

(m) **किसी को मारे .....जतन हजार है। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

.....

.....

.....

.....

(n) **रसनेन्द्रिय के पाँच विषयों के 60 विकार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....